महर्षि महेश योगी

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ

वैदिक पण्डितों का आमंत्रण

विश्व जनमानस एवं राष्ट्रों के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य, शान्ति, सफलता, सुरक्षा एवं अजेयता हेतु निरन्तर चलने वाले यज्ञानुष्ठानों के लिए बड़ी संख्या में वैदिक पण्डितों की तत्काल आवश्यकता

योग्यता निम्नलिखित होनी चाहिए

१ **अनुष्ठानी पंडित:** अनुष्ठान का ज्ञान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान–त्रिकाल संध्या वंदन, रुद्राष्टाध्यायी सस्वर कण्ठस्थ, रुद्राभिषेक विधान सहित, दुर्गासप्तशती, ग्रहशान्ति (नवग्रह मंत्रजप), देवताओं का षोडशोपचार पूजन, श्रीसूक्त, पुरुष सूक्त, पंच देवताओं के सहस्रनाम एवं स्तोत्र, पंच देवताओं के वैदिक सूक्त/मंत्र इत्यादि के शुद्ध–शुद्ध पाठ/जप इत्यादि का ज्ञान और अभ्यास।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. ५०००–२५०–१२,५००

२ **संहिता पाठी:** किसी भी एक वेद की संहिता कण्ठस्थ।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. ८०००–४००–२०,०००

३ **संहिता पाठी अनुष्ठानी पंडित :** किसी भी एक वेद की संहिता सस्वर कण्ठस्थ होनी चाहिये + अनुष्ठान का ज्ञान एवं प्रयोग जैसा कि क्रमांक १ में दिया गया है

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. ९०००– ४५०–२२,५००

४ **क्रम पाठी:** किसी एक वेद का क्रम पाठ कण्ठस्थ होना चाहिये ।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. १००००–५००–२५,०००

५ **क्रमपाठी अनुष्ठानी पंडित :** क्रमपाठ कण्ठस्थ होना चाहिये + अनुष्ठान का ज्ञान एवं प्रयोग जैसा कि क्रमांक १ में दिया गया है।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. ११०००–५५०–२७,५००

६ **घनपाठी :** किसी एक वेद का घनपाठ कण्ठस्थ होना चाहिये।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. १५०००–७५०–३७,५००

७ **घनपाठी अनुष्ठानी पंडित :** घनपाठ कण्ठस्थ होना चाहिये + अनुष्ठान का ज्ञान एवं प्रयोग जैसा कि क्रमांक १ में दिया गया है।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. १६०००–८००–४०,०००

८ **संहितापाठी (याज्ञिक) :** संहिता पाठ कण्ठस्थ होना चाहिये + स्मार्त अथवा श्रौत यज्ञों का ज्ञान व अभ्यास।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. १००००–५००–२५,०००

९ **क्रमपाठी (याज्ञिक) :** क्रमपाठ कण्ठस्थ होना चाहिये + स्मार्त अथवा श्रौत यज्ञों का ज्ञान व अभ्यास।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. १२०००–६००–३०,०००

१०. **घनपाठी (याज्ञिक) :** घनपाठ कण्ठस्थ होना चाहिये + स्मार्त अथवा श्रौत यज्ञों का ज्ञान व अभ्यास।

दक्षिणा प्रतिमाह – रु. १७,०००–८५०–४२,५००

नोट– यज्ञानुष्ठान में विशेष रूप से दक्ष तथा अनुभवी विशिष्ट विद्वानों की भी आवश्यकता है। ऐसे विशिष्ट विद्वानों की मासिक दक्षिणा योग्यतानुसार कई वर्षों की वृद्धि जोड़कर भी दी जा सकेगी।

११. **दो वेद कण्ठस्थ (द्विवेदी), तीन वेद कण्ठस्थ (त्रिवेदी), चारों वेद कण्ठस्थ (चतुर्वेदी) विद्वानों** तथा वैदिक वाङ्मय के अन्यान्य विषयों यथा: वेदाङ्ग– शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष; उपाङ्ग– न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, कर्ममीमांसा, वेदान्त; उपवेद– आयुर्वेद, गन्धर्ववेद, स्थापत्यवेद, धनुर्वेद; उपनिषद्, आरण्यक, ब्राह्मण, इतिहास, पुराण, स्मृति (धर्मशास्त्र); आगम, तन्त्र शास्त्र के पारम्परिक तथा विशिष्ट विद्वानों की भी आवश्यकता है।

दक्षिणा प्रतिमाह– योग्यतानुसार

यज्ञानुष्ठान इत्यादि के कार्यक्रम भारत के भौगोलिक केन्द्र (ब्रह्मस्थान) तथा विभिन्न प्रान्तों में स्थित विद्यापीठों के आवासीय परिसरों में किये जायेंगे। यज्ञानुष्ठानी पंडितों के भोजन तथा निवास की व्यवस्था विद्यापीठों के आवासीय परिसरों में ही होगी। भोजन, आवास, बिजली इत्यादि का व्यय प्रति पंडित कम से कम रु. ३०००/— प्रतिमाह का आता है। जो कि उनके लिये अतिरिक्त लाभ है।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश में अनेक वैदिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। वैदिक पंडित अनुष्ठान करने के साथ-साथ के इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपनी योग्यता और बढ़ा सकते हैं।

आवेदन नाम, पता, दूरभाष संख्या, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव आदि सम्पूर्ण विवरण, अपने छायाचित्र तथा प्रमाणपत्रों की छाया प्रतिलिपियों सहित निम्नलिखित पते पर शीघ्रातिशीघ्र भेजें:

यज्ञानुष्ठान विभाग, महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, ग्राम—छान, भोजपुर रोड, आइपर कालेज के पास, पोस्ट—मिसरोद, भोपाल (म.प्र.)-४६२ ०४७